



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 331]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 29, 1992 / ज्येष्ठ 8, 1914

No. 331]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 29, 1992/JYAISTA 8, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विसं मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
वैल्योदय प्रत्यक्ष कर द्यो
प्रधिमूर्खना
नई दिल्ली, 29 मई, 1992

का.आ. 385(प्र) — केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर द्यो^१ आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए आय-कर नियम, 1962 का और मंशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, प्रथम:—

1. (1) इन नियमों का भौतिक नाम आय-कर (बारहवां मंशोधन) नियम, 1992 है।
(2) ये 1 जून, 1992 को प्रवृत्त होंगे।
2. आय-कर नियम, 1962 में,—
 - (क) नियम 29क का लोप किया जाएगा;
 - (ख) नियम 29ग के उपनियम (3) में, “ऐसे व्यक्ति द्वारा जो भारत में निवासी है, धारा 197क की उपचारा (14 के अधीन “ज़दों, कोष्ठकों और अंकों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, प्रथम:—
“ऐसे व्यक्ति द्वारा जो कम्पनी या कम्पनी नहीं है) धारा 197क की उपचारा (1क) के अधीन”;
 - (ग) परिशिष्ट II में,—
 - (i) प्रश्न संख्या 15क का लोप किया जाएगा;
 - (ii) प्रश्न संख्या 15प के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न पर रखा जाएगा प्रथम:—

“प्रस्तुप सं. 15ग

[नियम २७ा (३) देखिए]

कर को-कटोरी किए विना। ("प्रतिभूतियों पर व्याज ने भिन्न व्याज की प्राप्ति का दावा करने वाले किसी व्यक्ति (जो कम्पनी या कर्म नहीं है)"
द्वारा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 197क (1क) के प्रधीन की जाने वाली घोषणा

मेरे/हमारे..... जो..... का/के प्रियंका की पुत्री/पत्नी हैं, और.....
का/के निवासी हैं/हैं, जोपणा करता हैं/करती हैं/करते हैं कि —

1. वे राशियां, जिनकी विग्रहित्यां नीचे दी गई हैं, †मेरे/हमारे नाम में हैं और फायदाप्रद रूप से †मेरे/हमारे स्वामित्व में हैं और ऐसी राशियों की वास्तव ब्याज, आय-फर प्रभिन्नियम, 1961 की धारा 60 से 64 तक के अधीन किसी अन्य व्यक्ति की कुल आय में सम्बलित किए जाने योग्य नहीं हैं:

व्यक्ति का नाम और पता जिसे ऐसी राशियों की ग्रन्थ वह तारीख जिसको ऐसी राशियां स्थाज पर दी गई हैं वह प्रब्रह्म जिसके लिए ऐसी स्थाज पर दी गई हैं स्थाज की दर

2. मेरी/हमारी से वर्णनात उपजीविका है;
 3. निर्धारण वर्ष 19 19..... से सुसंगत को समाप्त होते थांते पूर्व वर्ष के लिए आय-कर प्रधिनियम, 1961 के उपबन्धों के अनुसार संगणित मेरी/हमारी प्राक्कलित कुल आय, जिसके अन्तर्गत पैग 1 में निर्दिष्ट "प्रतिभूतियों पर व्याज" से भिन्न आज है, कर के लिए मूल्य होती ;
 4. इसके पूर्व किसी भी समय आय-कर के लिए मेरा/हमारा-1 निर्धारण नहीं किया गया है किन्तु मेरी/हम आय-कर मुख्य आयका या आमुक्त की प्रधिकारिता में है / है; निर्धारण वर्ष 19 19..... के लिए आय-कर का मेरा/हमारा गत निर्धारण प्रधिकारी मर्किल/बोई/जिला वारा किया गया था और मेरा/हम आवंटित किया गया स्थायी लेखा संचयाक है।

प्रांघोषणाकर्ता के हस्ताख्यर

मध्यापन

वैद्य/हस्त धोषणा करता हैं/करते हैं कि पैरा 1 से 4 तक की अन्तर्वस्तुएँ में/इमरे/सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही हैं और उसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

आज तारीख को मत्यापित किया गया।

धोदणा कर्ता के हस्ताक्षर

ट्रिप्युल :

1. डाक का पूरा पता मिलें।
 2. घोषणा दो प्रतियों में दी जानी चाहिए।
 3. जो लागू न हो उसे काट दीजिए।
 4. अस्थिरता को उपचारित कीजिए। जहाँ घोषणा हिन्दू प्रविष्टि कुटुम्ब, व्यक्तियों के संगम आदि की ओर से दी जाती है।
 5. सम्पादन पर हस्ताक्षर करने से पूर्व घोषणाकर्ता को स्वयं अपना वह समाधान कर लेना चाहिए कि घोषणा में दी गई जानकारी सभी प्रकार से सत्य, सही और पूर्ण है।
 6. घोषणा में मिथ्या कथन करने वाले व्यक्ति पर प्रायः कर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अधियोजन चलाया जा सकेगा और सिद्धांश सुने पर वह—
 - (i) उस मामले में जहाँ कर की वह रकम जिसका, यदि वह कथन या ऐसा मत लिया जाता तो अपब्रेचन हो जाता, एक लाख रुपए से अधिक है, वह कठिन कारावास से, जिसकी अवधि छह मास से कम नहीं होगी किन्तु सात वर्ष तक की हो सकती और जुर्माने से, दण्डनीय होगा;
 - (ii) किसी भन्य मामले में, कठिन कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास से कम की नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकती और जुर्माने से, दण्डनीय होगा।

(उस व्यक्ति द्वारा प्रयोग के लिए जिसको धोषण दी जाती है)

1. उस व्यक्तिन का नाम और पता, जो घोषणा के पैरा 1 में वर्णित राशियों पर व्याज का संदाय करने के लिए उत्तरदायी है।

2. वह तरीख जिसको धोयणा थोड़गकर्ता द्वारा दी गई थी।
 3. वह प्रवधि जिसके लिए आज जमा किया जाता है/संदर्भ किया जाता है।
 4. आज की रकम
 5. वह दर जिस पर आज जमा किया जाता है/संदर्भ किया जाता है।
- आयकर सुल्ख आयकर या आयकर को अप्रयित की गई।

स्थान

तारीख

“प्रतिभूमियों पर आज” से भिन्न आज
का संदर्भ करने के लिए उत्तरदायी
अक्षित के हस्ताक्षर

[सं. 9036 / का. स. 142/14/92-टी.पी.एल. (भाग)]
बाई. के. खान, अमर मचिष (टी.पी.एल.)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
Central Board of Direct Taxes
NOTIFICATION
New Delhi, the 29th May, 1992

S.O. 385(E)—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rule, further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Twelfth Amendment) Rule, 1992.
- (2) They shall come into force on the 1st day of June, 1992.
2. In the Income-tax Rules, 1962,—
 - (a) rule 29 A shall be omitted;
 - (b) in rule 29C, in sub-rule 3, for the words, brackets and figures, “under sub-section (1) of section 197A by an individual, being resident in India”, the following shall be substituted, namely:—
“under sub-section (1A) of section 197A by a person (not being a company or a firm)”;
 - (c) in Appendix II,—
 - (i) FORM NO. 15A shall be omitted;
 - (ii) for the FORM NO. 15H, the following form shall be substituted, namely:—

“FORM NO. 15H

[See rule 29C(3)]

Declaration under section 197A(1A) of the Income-tax Act, 1961 to be made by a person (not being a company or a firm) claiming receipt of interest other than “interest on securities;” without deduction of tax
I/We* —————,*son/daughter/wife of—————resident of—————do hereby declare—

1. that the sums, particulars of which are given below, stand in *my/our name and beneficially belong to *me/us, and the interest in respect of such sums is not includible in the total income of any other person under sections 60 to 64 of the Income-tax Act, 1961:

Name and address of the person to whom the sums are given on interest	Amount of such sums	Date on which such sums were given on interest	Period for which such sums were given on interest	Rate of interest
---	---------------------	--	---	------------------

2. that *my/our present occupation is _____;
3. that the tax on my/our estimated total income including the interest other than "interest on securities" referred to in paragraph 1 computed in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961, for the previous year ending on _____ is relevant to the assessment year 19 ____-19 ____ will be nil ;
4. *that *I/we have not been assessed to income-tax at any time in the past but *I/we fall within the jurisdiction of the Chief Commissioner or Commissioner of Income-tax _____ that *I was/w: were last assessed to income-tax for the assessment year 19 ____-19 ____ by the Assessing Officer _____ Circle/Ward/District and the permanent account number allotted to me/us is _____.

**Signature of the declarant

VERIFICATION

*I/we _____ hereby declare that the contents of paragraphs 1 to 4 are true to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed therein.

Verified today, the _____ day of _____ 19 _____.

Signature of the declarant

Notes:

1. Give complete postal address.
2. The declaration should be furnished in duplicate.
3. *Delete whichever is not applicable.
4. **Indicate the capacity where the declaration is furnished on behalf of a Hindu Undivided Family, Association of persons, etc.
5. Before signing the verification, the declarant should satisfy himself that the information furnished in the declaration is true, correct and complete in all respects.
6. Any person making a false statement in the declaration shall be liable to be prosecuted under section 277 of the Income-tax Act, 1961, and on conviction be punishable—
 - (i) in a case where the amount of tax, which would have been evaded if the statement or account had been accepted as true, exceeds one hundred thousand rupees, with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine;
 - (ii) in any other case, with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine.

[FOR USE BY THE PERSON TO WHOM THE DECLARATION IS FURNISHED]

1. Name and address of the person responsible for paying interest on sums mentioned in paragraph 1 of the declaration.
2. Date on which the declaration was furnished by the declarant.
3. Period for which interest is credited/paid.
4. Amount of interest.
5. Rate on which interest is credited/paid.

Forwarded to the Chief Commissioner or Commissioner of Income-tax,

Place _____

Date _____

Signature of the person responsible
for paying interest other than "Interest on
securities"

[No. 9036/F.No. 142/14/92-TPL. (Pt.)
Y.K. BATRA, Under Secy. (TPL-1II]

